IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के प्रभाव का अध्ययन"

डॉ. आरती मिश्रा
(सहायक प्राध्यापिका)
कल्याण पी.जी. कॉलेज
भिलाई (छ.ग.)

श्रीमती संगीता वर्मा
(सहायक प्राध्यापिका)
धनश्याम सिंह आर्य कन्या
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्रस्तुत लघुशोध का मुख्य उद्देश्य शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के उपलब्धि प्रेरणा के प्रभाव का अध्ययन हेतु दुर्ग जिले से जनसंख्या के रूप में तथा न्यादर्श के रूप में 5 शासकीय एवं 5 अशासकीय विद्यालय के 160 विद्यार्थियों का यादृच्छिक रूप से चयन किया गया है। मापन हेतु वी.पी भार्गव द्वारा निर्मित उपलब्धि प्रेरणा उपकरण का प्रयोग किया गया एवं शोध विवेचना हेतु सर्वेक्षण–विधि का प्रयोग किया गया तथा परिकल्पनाओं के सत्यापन के लिए टी–मूल्य ज्ञात किया गया। अध्ययन में पाया कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

कुजी शब्द : शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय, उपलब्धि प्रेरणा

प्रस्तावना –

मनुष्य के सर्वांगीण में शिक्षा की महत्वपूर्ण होती है। यामसन के अनुसार प्रेरणा छात्रों में रूचि उत्पन्न करने की कला है प्रेरणा के द्वारा शिक्षक बालक के व्यवहार को नियंत्रित निर्देशित तथा परिवर्तित कर सकता तथा छात्रों की ऊर्जा को दिशा प्रदान कर सकता है। प्रत्येक व्यक्ति का कोई न कोई लक्ष्य अवश्य होता है, प्रेरणा निर्धारित लक्ष्य की ओर अग्रसर होने के लिए सदैव प्रेरित करती है, उपलब्धि प्रेरणा से प्रेरित होकर बालक अपने कार्य उचित ढंग से करता है।

उपलब्धि प्रेरणा –

उपलब्धि प्रेरणा से तात्पर्य एक ऐसे प्रेरणा से होता है जिससे प्रेरित होकर विद्यार्थी कार्य को इस ढंग से करता है कि उसे अधिक से अधिक सफलता मिल सके। प्रेरणा के अंतर्गत वे सभी आंतरिक अवस्थाएँ आती है जो किसी क्रिया को आरम्भ करती है अथवा जारी रखती है। जब हम लक्ष्य या मूल्य को प्राप्त करने की इच्छा से नित्य प्रतिदिन अपने जीवन में जो कार्य करते है, वह कार्य करने की इच्छा व्यक्ति में कम या अधिक होती है। इबेल के अनुसार "उपलब्धि वह अभिकल्प है जो विद्यार्थी द्वारा ग्रहण किये ज्ञान, कुशलता या क्षमता को इंगित करता है।"

संबंधित शोध अध्ययन –

- कुलविन्दर सिंग (2017) ने छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के संबंध में उपलब्धि प्रेरणा का अध्ययन किया तथा परिणाम में ज्ञात हुआ कि शिक्षक, परामर्शदाता और संस्थान इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, छात्रों को प्रेरित करना उनके उपलब्धि प्रेरणा को मापने में सक्षम हो सकता है।
- कादरी (2017) ने हैदराबाद में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन किया जिसमें पाया कि छात्र एवं छात्राओं के उपलब्धि प्रेरणा में सार्थक अंतर है एवं माध्यम के आधार पर ही उपलब्धि प्रेरणा में सार्थक अंतर पाया गया।
- मिश्रा (2017) ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में विद्यार्थियों के उपलब्धि प्रेरणा का

अध्ययन शाला प्रकार के आधार पर किया अध्ययन में पाया गया कि ग्रामीण तथा शहरी छात्रों के उपलब्धि प्रेरणा में सार्थक अंतर है। ग्रामीण छात्र–छात्राओं के उपलब्धि प्रेरणा में सार्थक अंतर नही पाया गया।

- सरिता मेनारिया (2017) ने उच्च माध्यमिक स्तर के सामान्य (अस्थिदोष रहित) एवं अस्थिदोष दिव्यांग विद्यार्थियों के आत्मविश्वास एव उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन किया तथा शोध अध्ययन से प्राप्त आत्मविश्वास उपलब्धि प्रेरणा से सम्बन्धित प्रदत्तों का विश्लेषण करने से ज्ञात हुआ कि सामान्य (अस्थिदोष रहित) एवं अस्थिदोष दिव्यांग विधार्थियों के आत्मविश्वास एवं उपलब्धि प्रेरणा में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
- किरण गुप्ता (2018) ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन किया तथा परिणामस्वरूप पाया गया कि ग्रामीण एव शहरी क्षेत्रों के माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों एवं छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

अध्ययन की आवश्यकता –

उपलब्धि प्रेरणा से प्रभावित होकर छात्र अपने कार्य को पूर्ण निष्ठा, लगन और रूचि लेकर करते है, इससे छात्रों में सीखने विचार करने की शक्ति का विकास होता है। प्रत्येक छात्राओं को प्रेरणा की आवश्यकता होती है, प्रेरणा के स्वरूप ही छात्र को किसी भी प्रकार की कार्य करने की जिज्ञासा उत्पन्न करती है। अर्थात् मानव व्यवहार कुछ प्रेरकों द्वारा ही नियमित प्रदर्शित एवं रूपांतरित होता है तथा प्रेरणा सींखने के लिए आवश्यक अंग है।

अध्ययन का उद्देश्य –

- शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के उपलब्धि प्रेरणा का अध्ययन करना।
- शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के उपलब्धि प्रेरणा का अध्ययन करना।
- शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं की उपलब्धि प्रेरणा का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना –

H_{01} शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के उपलब्धि प्रेरणा में सार्थक अंतर नही पाया जायेगा।

H_{02} शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के उपलब्धि प्रेरणा में सार्थक अंतर नही पाया जायेगा।

H_{03} शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं की उपलब्धि प्रेरणा में सार्थक अंतर नही पाया जायेगा।

अनुसंधान विधि –

प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य की प्राप्ति क्या परिकल्पना के परीक्षण हेतु आंकड़ें एकत्र करने के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

अध्ययन की परिसीमा –

यह अध्ययन दुर्ग जिले तक सीमित है। जिसमें दुर्ग जिले में स्थित दुर्ग एवं भिलाई शहर के शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों तक सीमित किया गया है।

न्यादर्श –

अध्ययन में परिकल्पनाओं के सत्यापन के लिए दुर्ग जिले के शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 160 विद्यार्थियों (छात्र 80 एवं छात्राओं) को यादृच्छिक रूप से चयन किया गया।

सांख्यिकीय विश्लेषण –

शून्य परिकल्पना से प्राप्त प्रदत्तों को विश्लेषण मध्यमान एवं विचलन तथा सार्थकता ज्ञात करने हेतु टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया।

परिकल्पना परिणाम व विश्लेषण –

प्रस्तुत शोध की समस्या दुर्ग जिले शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से प्राप्त आंकड़ों की व्याख्या विश्लेषण एवं निष्कर्ष हेतु परिकल्पना का सत्यापन किया गया।

परिकल्पना –

H_{01} –

शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के उपलब्धि प्रेरणा में सार्थक अंतर नही पाया जायेगा।

उपर्युक्त परिकल्पना की सत्यता की जाँच करने के लिए शोधकर्ता ने शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के उपलब्धि प्रेरणा का मध्यमान, प्रमाणिक विचलन ज्ञात कर टी–मूल्य ज्ञात किया। प्राप्त मध्यमान, प्रमाणिक विचलन व टी–मूल्य को निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

सारणी क्रमांक 4.1

शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों से प्राप्त आँकड़ें

तुलनात्मक	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी–मूल्य
शासकीय विद्यालय के विद्यार्थी	80	18.7	5.41	0.50
अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थी	80	16.57	3.76	
df = 158, P> t सार्थक अन्तर नही पाया गया।				

. स्वतंत्रता का अंश 158 का 0.05 स्तर पर सारणी मान 1.96 है जो गणना की गई टी–मूल्य से अधिक है। अतः इस परिकल्पना से यह स्पष्ट होता है कि शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के उपलब्धि प्रेरणा पर सार्थक अन्तर नही पाया गया। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_{02} –

शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के उपलब्धि प्रेरणा में सार्थक अंतर नही पाया जायेगा।

सारणी क्रमांक 4.2

शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों से प्राप्त आँकड़ें

तुलनात्मक समूह	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी–मूल्य
शासकीय विद्यालय के छात्र	40	18.2	6.71	0.85
अशासकीय विद्यालय के छात्र	40	19.05	6.39	
df = 78, P > t सार्थक अन्तर नही पाया गया।				

. स्वतंत्रता का अंश 158 का 0.05 स्तर पर सारणी मान 1.96 है जो गणना की गई टी–मूल्य से अधिक है। अतः इस परिकल्पना से यह स्पष्ट होता है कि शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के उपलब्धि प्रेरणा पर सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_{03} –

शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं की उपलब्धि प्रेरणा में सार्थक अंतर नही पाया जायेगा।

सारणी क्रमांक 4.3

शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं से प्राप्त आँकड़ें

तुलनात्मक समूह	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी–मूल्य
शासकीय विद्यालय की छात्राएँ	40	16.05	0.63	3.22
अशासकीय विद्यालय की छात्राएँ	40	19.05	5.87	
df = 78, P < t सार्थक अन्तर पाया गया।				

. स्वतंत्रता का अंश 158 का 0.05 स्तर पर सारणी मान 1.96 है जो गणना की गई टी–मूल्य से कम है। अतः इस परिकल्पना से यह स्पष्ट होता है कि शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं के उपलब्धि प्रेरणा पर सार्थक अन्तर पाया गया। अतः परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

विवेचना –

उपरोक्त परिकल्पनाओं के विश्लेषण एवं उनसे प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर यह स्पष्ट है कि शासकीय एवं अशासकीय एवं अशासकीय विद्यार्थियों एवं छात्रों के उपलब्धि प्रेरणा के टी–मूल्य में सार्थक अंतर नही पाया गया एवं शासकीय एवं अशासकीय छात्राओं के उपलब्धि प्रेरणा के टी–मूल्य में सार्थक अंतर पाया गया हैं अतः उपरोक्त विवेचना के आधार पर कहा जा सकता है कि अशासकीय विद्यालय के छात्राओं की उपलब्धि प्रेरणा उच्च स्तर की होती है।

अनुकरणीय अध्ययन –

शोधकर्त्ता द्वारा चयन की गई समस्या के आधार पर निम्नलिखित क्षेत्रों में अध्ययन किये जा सकते है –

- सी.बी.एस.ई एवं सी.जी. बोर्ड विद्यालयों के उपलब्धि प्रेरणा का एक तुलनात्मक अध्ययन।
- शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय उपलब्धि प्रेरणा पर एक अध्ययन।
- उच्च आय एवं निम्न आय वर्ग के परिवार के मध्य विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा का एक तुलनात्मक अध्ययन।
- महाविद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के मध्य उपलब्धि प्रेरणा का एक अध्ययन।
- हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम से अध्ययनरत विद्यार्थियों के मध्य उपलब्धि प्रेरणा का अध्ययन

सुझाव –

उपर्युक्त विवेचना के आधार पर विद्यार्थियों के उपलब्धि प्रेरणा स्तर को बढ़ाने के लिए शिक्षकों एवं विद्यालय प्रशासन को सामूहिक रूप से प्रयास करना होगा। जिससे विद्यार्थी अभिप्रेरित होकर अपना ध्यान विभिन्न क्षेत्रों में केन्द्रित कर सकें जो समाज, शिक्षक तथा उनके लक्ष्य के प्रति धनात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक हो। जीवन के सामाजिक, प्राकृतिक एवं व्यक्तिक क्षेत्र में अभिप्रेरणा द्वारा ही सफलता की सीढ़ी तक पहुँचने के लिए प्रेरित कर सकें।।

संदर्भ ग्रंथ सूची –

- Acharya, N., & Shobhna, J. (2011) Achievement motivation and parental support to adolescents, *Journal of Indian Academy of Applied Psychology*, 37(1), 132-139.
- Adsul, R.K. & Kamble, V. (2008). Achievement Motivation as a function of Gender, Economic Background and Caste Differences in College Students. *Journal of the Indian Academy of Applied Psychology*; 34(2), 323-327.
- Azar, F.S. (2013) Self-efficiency, Achievement motivation and Academic Procrastination as Predictors of Academic Performance. *Us-China Education Review*, 3(11), 847-857.
- Chetrai, S. (2014), Achievement Motivation of Adolescents and its Relationship with Academic Achievement. *International Journal of Humanities and Social Science Invention* 3(6), 8-15.
- किरण गुप्ता (2018), ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन, *International Journal of Scientific Research in Science and Technology* 4(2), 1991-1996.
- Kulwinder Singh (2011), Study of Achievement Motivation in Relation to Academic Achievement of Students, *International Journal of Educational Planning & Administration* 1(2), pp. 161-171.
- Mishra, H. P. (2017). Achievement Motivation of Secondary School Students in Murshidabad District of West Bengal. International Journal of Peace, Education and Development, 5(1), 15-23
- Qadri, M. A. (2017). Achievement motivation of secondary school students in relation to their gender and medium of instruction: An empirical study of Hyderabad district. International Journal of Academic Research and Development, 2 (5), 813-816
- सरिता मेनारिया (2017) ने उच्च माध्यमिक स्तर के सामान्य (अस्थिदोष रहित) एवं अस्थिदोष दिव्यांग विद्यार्थियों के आत्मविश्वास एव उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन, *Innovation the research concept*, 2(11), 182-186.